हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

केंद्रीय परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा का वादा, बनाएंगे पहाड़ों पर बेहतरीन हाईवे 3

वर्ष : 12 अंक : 315 देहरादून, शुक्रवार, 14 जून, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

आदर्श चम्पावत की कार्य योजना में अफसर लाए तेजी : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में जनपद चम्पावत को आदर्श जनपद बनाने के लिए लिए बनाई जा रही कार्ययोजना और गतिमान कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को आदर्श राज्य बनाने के लिए जनपद चम्पावत को मॉडल जनपद के रूप में लिया जा रहा है। चम्पावत ऐसा जनपद है जिसमें राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से मैदान, तराई, भाबर और पर्वतीय क्षेत्र शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आदर्श जनपद चम्पावत के लिए बनाई जा रही कार्य योजना पर तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि विकास के साथ विरासत को भी आगे बढ़ाना है। अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि विकास कार्यों में पारिस्थितिकी और पर्यावरण में समन्वय बनाकर कार्य करें। प्रकृति द्वारा हमें प्रदान की गई विरासतों के संरक्षण के साथ विकास कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि अभी तक बनाई गई कार्ययोजना के अनुसार कार्यों को धरातल पर तेजी से उतारा जाए। चरणबद्ध तरीके से कार्यों में तेजी लाई जाए, यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यों के परिणाम जल्द धरातल पर दिखें। उन्होंने कहा कि आदर्श चम्पावत के लिए नोडल अधिकारी जनपद के अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ नियमित बैठकें करें। उन्होंने कहा कि आदर्श चम्पावत के लिए और क्या बेहतर कार्य हो सकते हैं, इसके लिए स्थानीय स्तर पर लोगों के सुझाव भी लिये जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पावत जनपद में धार्मिक, आध्यात्मिक और साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। चम्पावत जनपद में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटक की सुविधा के दृष्टिगत तीन से चार दिन की यात्रा के लिए सर्किट बनाए जाएं। पूर्णागिरि में श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रहती है, श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि शारदा कॉरिडोर और चम्पावत के आईएसबीटी को भी विस्तारित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि निर्माण संबंधी कार्यों में पारिस्थितिकी से संबंधित पहलुओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी गई कि चम्पावत जनपद में पर्यटन, कृषि और बागवानी, हेल्थकेयर, शिक्षा, दुग्ध और उससे संबंधित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। चम्पावत को आदर्श राज्य बनाने के लिए 2030 तक के लिए लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। जनपद में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने, डेस्टिनेशन वेडिंग हब बनाने, किवी और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किये जा रहे हैं। आदर्श चम्पावत के लिए जिन योजनाओं पर कार्य किये जा रहे हैं, भविष्य में स्थानीय स्तर पर ये लोगों की आर्थिकी को तेजी से बढ़ाने में काफी कारगर साबित होंगी।

जिलाधिकारी चम्पावत नवनीत पाण्डेय ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनपद में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चम्पावत जनपद में सैलर एनर्जी के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में पलायन बढ़ रहा है, इसको ध्यान में रखते हुए टाउन प्लानिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, एस.एन.पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, अपर सचिव श्री जगदीश चन्द्र कांडपाल एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड : गर्मी से झुलस रहा प्रदेश, इन 5 जिलों में होगी बारिश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जून : मौसम विज्ञान के अनुसार पांच पर्वतीय जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की सम्भावना है। अगले दो से तीन दिनों तक देहरादून समेत अन्य मैदानी क्षेत्रों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना जताई गई है।इस समय पूरा उत्तराखंड भीषण गर्मी की चपेट में है, खासकर मैदानी क्षेत्रों में गर्मी कहर बरसा रही है। लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान किया हुआ है, लगातार पारे में हो रहे इजाफे से झुलसती गर्मी दिन प्रतिदिन मुसीबतें बढ़ा रही है। हालत यह हो गई हैं कि मैदान के साथ-साथ पहाड़ भी तपने लगे हैं, जिन पहाड़ों पर लोग गर्मियों से राहत पाने के लिए छुट्टियां बिताने आते थे वो भी यहाँ से मायूस होकर लौट रहे हैं। उत्तर भारत में पड़ रही प्रचंड गर्मी से प्रत्येक पर्वतीय राज्य जूझ रहा है। सुबह से ही चिलचिलाती गर्मी लोगों को घर में कैद होने के लिए मजबूर कर रही है।

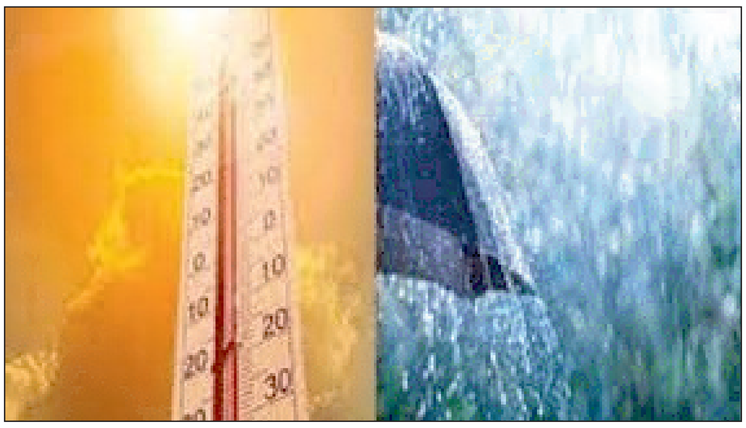

मौसम केंद्र देहरादून से जारी किया गया पूर्वानुमान के अनुसार पांच पर्वतीय जिलों चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथोरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश होने के आसार हैं, जबकि मैदानों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। आगामी दिनों में पारे में इजाफा होने की सम्भावना है तथा मैदानों में मौसम विभाग ने दोपहर 12 से 4 बजे के बीच घर से बाहर कम ही निकलने की सलाह दी है।देहरादून का अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि पंतनगर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस था। नई टिहरी का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के इटली प्रवास से पूर्व महात्मा गांधी की मूर्ति से छेड़छाड़ निंदनीय : उत्तराखंड भाजपा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जून। भाजपा ने इटली में पीएम मोदी के प्रवास से पूर्व महात्मा गांधी की मूर्ति को खंडित करने को बेहद दुखद और निंदनीय बताया है। राज्यसभा सांसद और प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने इस पूरे मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा, गांधी जी की लीगेसी के नाम पर राजनीति करने वालों के मुंह से इस अपमान पर आलोचना के दो शब्द नही फूट रहे हैं ।

श्री भट्ट ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है। साथ ही पीएम मोदी के G 7 मीटिंग के लिए वहां जाने से ठीक पहले मूर्ति तोड़ने और राष्ट्र विरोधी स्लोगन लिखने को साजिश करार दिया हैं । उन्होंने कहा, देश के सभी राजनैतिक दलों को एक सुर में इस अपराध की भर्त्सना करनी चाहिए । लेकिन अफसोस देश की सबसे पुरानी राजनैतिक पार्टी एवं गांधी जी की लीगेसी पर एकाधिकार जताने वाली कांग्रेस ने कोई

■ आख़िर विपक्ष क्यों खामोश, जवाब दें : महेंद्र भट्ट

प्रतिक्रिया नहीं दी । जबकि आजादी के बाद से ही गांधी जी के नाम पर वे जनता से वोट ठगते रहे हैं । और तो और उनके आलाकमान भी अपने अपने नामों के पीछे गांधी सरनेम लगाकर घूमते हैं लेकिन सरेआम गांधी जी के अपमान पर सांप सूंघ जाता है।

उन्होंने कहा, यही लोग हैं जो पूर्व पीएम श्रीमती इंदिरा गांधी के हत्यारे भिंडरवाले की फोटो लगाकर घूमने वाले घूमने वाले मुसेवाला की बातों को कोड करते हैं । ये पूर्व पीएम स्वर्गीय राजीव गांधी के हत्यारों की सजा माफ करते हैं उनके साथ भोजन करते हैं । और यह सब किया गया, वोट बैंक के लालच में राष्ट्र विरोधियों को शह देने के लिए । साथ ही कटाक्ष करते हुए कहा, दरअसल इटली में हुए गांधी जी के इस अपमान में कांग्रेस को पीएम मोदी का अपमान अधिक नजर आता है ।

नैनीताल और औली नहीं, अब ये 3 हिल स्टेशन घूमिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 14 जून : नैनीताल और औली उत्तराखंड के ऐसे हिल स्टेशन हैं जिनको हर कोई एक बार जरूर घूमता है. ये हिल स्टेशन टूरिस्टों का दिल जीत लेते हैं और उन्हें अपनी ओर अट्रैक्ट करते हैं. नैनीताल अपने ताल और वादियों के लिए मशहूर है और औली को मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है।

अगर आपने नैनीताल और औली घूम लिया है, तो आपको अन्य हिल स्टेशनों को एक्सप्लोर करना चाहिए. ऐसा नहीं है कि औली और नैनीताल से सुंदर हिल स्टेशन भारत में नहीं है. ऐसे कई हिल स्टेशन हैं जो औली व नैनीताल से भी सुंदर हैं और जिन्हें देखने के लिए विदेशी टूरिस्ट आते हैं।

अगर आप भारत का स्कॉटलैंड देखना चाहते हैं तो कर्नाटक स्थित कूर्ग हिल स्टेशन की सैर जरूर करें. यह खूबसूरत हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों और सैलानियों के लिए स्वर्ग है. कूर्ग के मनोरम दृश्य आपका दिल जीत लेंगे. कूर्ग आने वाले सैलानी यहां की प्राकृतिक खूबसूरती को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं. यहां के जंगल, घाटियां और वातावरण पर्यटकों को भाव-विभोर कर देता है। वैसे भी कूर्ग सिर्फ हरियाली, घने जंगल, झरने और पहाड़ों के लिए ही मशहूर नहीं है बल्कि यहां के चाय के बागान भी प्रसिद्ध हैं. कूर्ग कावेरी नदी का उद्गम स्थान है और अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के कारण सैलानियों के बीच खासा लोकप्रिय है।

भीमताल हिल स्टेशन उत्तराखंड में है और बेहद सुंदर है. अगर आपने अभी तक यह हिल स्टेशन नहीं देखा है तो आपको यह जरूर देखना चाहिए. भीमताल में आप बोटिंग कर सकते हैं और प्रकृति की सुंदरता को निहार सकते हैं। अगर आपने औली और नैनीताल घूम लिया है तो आप मनाली हिल स्टेशन घूम सकते हैं. यह हिल स्टेशन टूरिस्टों को अपनी ओर अट्रैक्ट करता है. मनाली की सुंदरता टूरिस्टों को मंत्रमुग्ध कर देती है. यह हिल स्टेशन बेहद सुंदर है और यहां गर्मियों में भी ठंड होती है.

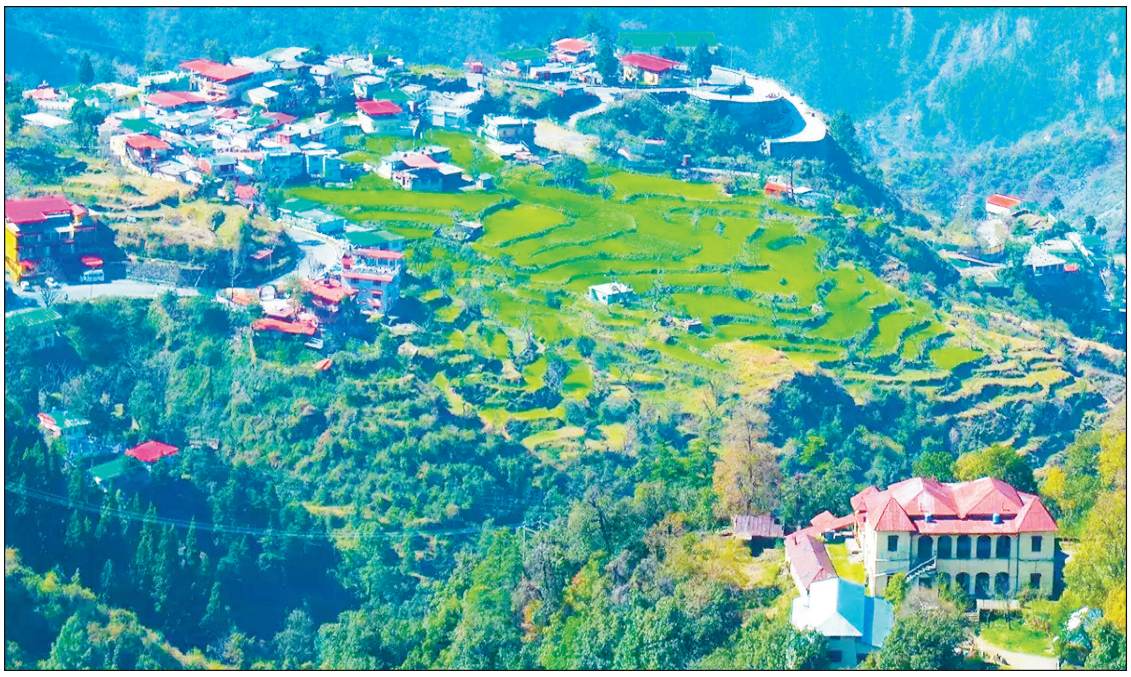

होटल में रुकने जा रहे हैं, साथ ले जाएं अपना चादर, कर्मचारी ने बताई ऐसी सच्चाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जून : छुट्टियों का सीजन चल रहा है. बच्चों के स्कूल-कॉलेज बंद हैं और पूरा परिवार छुट्टियां मनाने अलग-अलग शहरों या देशों की यात्रा पर जाता है. इस दौरान लोग होटल में रुकते हैं. हालांकि, उन्हें होटल से जुड़ी कई ऐसी बातें नहीं पता होतीं, जो हैरान करने वाली होती हैं. हाल ही में एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई होटल कर्मियों ने होटल के बारे में ऐसी बातें बताईं, जिसे जानकर आपके होश उड़ जाएंगे. सबसे हैरान करने वाली बात होटल के बिस्तर पर बिछे चादर से जुड़ी है. उनकी बातें सुनकर आपको पता चलेगा कि होटल में बिछाने के लिए घर से अपना चादर ले जाना समझदारी होती है.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ सालों पहले एक शख्स ने होटल के चादरों को लेकर एक चर्चा शुरू की. उसने पूछा कि क्या ये बात सच है कि होटल के बिस्तर पर बिछे कंफर्टर को नहीं धुला जाता, इस वजह से उसपर सोने से बचना चाहिए? कंफर्टर का अर्थ है कंबल जैसा चादर, जिसे ओढ़कर लोग सोते हैं. पर इस शख्स के पोस्ट पर लोगों ने कमेंट कर होटल से जुड़ी और भी कई चौंकाने वाली बातें बताईं.

जिसमें सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात एक अन्य शख्स ने बताई. उसने कहा कि वो होटल में काम करता है. वहां पर चादरों को हर मेहमान के जाने के बाद नहीं धुला जाता है. उन्हें उसी तरह फिर से बिछा दिया जाता है. एक ने बताया कि वो एक जगह पर काम करता था, जहां पर उन्हें मेहमान के जाने के बाद सिर्फ चादर और तकिया धोने को कहा जाता था, कंफर्टर को महीने में सिर्फ एक बार धुला जाता था जब कमरों की डीप क्लीनिंग होती थी।

एक शख्स ने कमेंट में बताया कि उसने 1 साल तक एक होटल में काम किया था, पर उसने कभी होटल के कंफर्टर को धुलते नहीं देखा. इस वजह से वो अब जब कभी किसी होटल में रुकने जाता है, तो सबसे पहले कंफर्टर को हटाकर

अलमारी में रख देता है। एक ने कहा कि इसी वजह से आपको अपने लगेज को कभी भी बिस्तर पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि चादर या कंबल के कीटाणु आपके सामान पर चढ़ सकते हैं जो आपके साथ आपके घर तक पहुंच जाएंगे. क्या आपको इसके बारे में पता था।

ये है दुनिया की सबसे अनोखी शराब जिसमें मिली है अंतरिक्ष से आई खास चीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जून : दुनिया में शराब की भी कई किस्में उपलब्ध हैं, जिन्हें लोग पसंद भी करते हैं. कुछ शराब की बोतलें काफी सस्ते में मिल जाती हैं तो कुछ इतनी महंगी होती हैं कि उन्हें खरीदने में करोड़पति लोगों की भी हालत खराब हो जाती है, क्योंकि उनकी कीमत ही करोड़ों में होती है. वहीं कई बार शराब की ऐसी भी कई बोतलें देखने को मिल जाती हैं, जिन्हें दुर्लभ माना जाता है. ऐसी ही एक दुर्लभ शराब आजकल काफी चर्चा में है, जिसे 'शूटिंग स्टार वोदका' नाम दिया गया है. इस शराब की खासियत ये है कि इसमें अंतरिक्ष से आई एक खास चीज मिलाई गई है और इसी चीज ने इसे अनोखा बना दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस वोदका में साल 1977 में खोजे गए एक उल्कापिंड की चट्टानों का मिश्रण मिलाया गया है. इसे पहला अल्ट्रा-प्रीमियम वोदका बताया जा रहा है, जिसे अंतरिक्ष चट्टान के साथ मिलाया गया है, जिसने वोदका के टेस्ट को एकदम खास बना दिया है. ये खास शराब बीते शुक्रवार को

अमेरिका पहुंची और इसे पेगासस डिस्टिलरी की तरफ से लॉन्च किया गया. दरअसल, पेगासस डिस्टिलरी एक प्रीमियम ऑर्गेनिक स्पिरिट्स ब्रांड है, जिसकी स्थापना साल 2021 में फ्रांस के बरगंडी क्षेत्र में की गई थी और इसका नाम आकाश के सबसे बड़े तारामंडलों में से एक के नाम पर रखा गया था।

शूटिंग स्टार वोदका शुद्ध गेहूं और वनस्पति से बनाई गई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे बनाने के लिए 150 मीटर नीचे कुएं से शुद्ध झरने के पानी के साथ एक महीने की अवधि में स्पिरिट को कम किया जाता है और इटली के टेराकोटा एम्फोरा में कम से कम एक साल के लिए रखा जाता है। दरअसल, एम्फोरा के सेंटर में एक उल्कापिंड लटका हुआ है, जो वोदका को एक असाधारण स्वाद और संरचना प्रदान करता है. बताया जाता है कि इसका स्वाद हल्का मीठा होता है. इस अनोखी शराब की सिर्फ 4,806 बोतलें ही अब तक बनाई गई है, जिसकी कीमत 180 डॉलर यानी करीब 15 हजार रुपये से लेकर 200 डॉलर यानी करीब साढ़े 16 हजार रुपये रखी गई है।

वैज्ञानिकों का दावा, अब 130 सालों तक आराम से जिंदा रहेगा इंसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जून : आज के समय में हर कोई चाहता है कि उसकी उम्र बढ़े और वो अपनी जिंदगी को एकदम खुलकर मजे से जिए, हालांकि हर इंसान की ख्वाहिश पूरी नहीं हो पाती क्योंकि इसके लिए आपको कई तरह के वर्कआउट करने पड़ते हैं. हालांकि वैज्ञानिक भी इधर पूरी कोशिश में लगे हुए हैं कि किसी तरीके से इंसान की उम्र को बढ़ाया जा सके. इसी कड़ी में इन दिनों चीन के वैज्ञानिकों को एक बड़ी सफलता मिली और उन्होंने दावा किया है कि अगर अब हमारा ये एक्सपेरिमेंट इंसानों पर कामयाब हो जाता है तो हम इंसानों की उम्र 130 साल तक हो जाएगी।

आज के समय में हर कोई चाहता है कि उसकी उम्र बढ़े और वो अपनी जिंदगी को एकदम खुलकर मजे से जिए, हालांकि हर इंसान की ख्वाहिश पूरी नहीं हो पाती क्योंकि इसके लिए आपको कई तरह के वर्कआउट करने पड़ते हैं. हालांकि वैज्ञानिक भी इधर पूरी कोशिश में लगे हुए हैं कि किसी तरीके से इंसान की उम्र को बढ़ाया जा सके. इसी कड़ी में इन दिनों चीन के वैज्ञानिकों को एक बड़ी सफलता मिली और उन्होंने दावा किया है कि अगर अब हमारा ये एक्सपेरिमेंट इंसानों पर कामयाब हो जाता है तो हम इंसानों की उम्र 130 साल तक हो जाएगी।

आज के समय में हर कोई चाहता है कि उसकी उम्र बढ़े और वो अपनी जिंदगी को एकदम खुलकर मजे से जिए, हालांकि हर इंसान की ख्वाहिश पूरी नहीं हो पाती क्योंकि इसके लिए आपको कई तरह के वर्कआउट करने पड़ते हैं. हालांकि वैज्ञानिक भी इधर पूरी कोशिश में लगे हुए हैं कि किसी तरीके से इंसान की उम्र को बढ़ाया जा सके. इसी कड़ी में इन दिनों चीन के वैज्ञानिकों को एक बड़ी सफलता मिली और उन्होंने दावा किया है कि अगर अब हमारा ये एक्सपेरिमेंट इंसानों पर कामयाब हो जाता है तो हम इंसानों की उम्र 130 साल तक हो जाएगी।

उत्तराखंड : केंद्रीय परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा का वादा, बनाएंगे पहाड़ों पर बेहतरीन हाईवे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 14 जून : अल्मोड़ा सांसद अजय टम्टा को केंद्र में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का राज्यमंत्री बनाए जाने के बाद प्रदेश की सड़कों के विकास की उम्मीद जगी है, अब पहाड़ों और मैदानों के खस्ताहाल सड़कों की स्थिति में अब सुधार होगा।

मोदी मंत्रिमंडल में शामिल अल्मोड़ा लोकसभा सीट से सांसद बनने के बाद अजय टम्टा को सड़क एवं परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार सौंपा गया है। उम्मीद है कि अब प्रदेश की खस्ताहाल सड़कों में सुधार होगा। प्रदेश के अति दुर्गम इलाकों को सड़क मार्ग से जोड़ने की योजना रंग ला सकती है। साथ ही ऑल वेदर रोड के निर्माण के कार्यों में तेजी और लंबे समय से अनसुलझे कंडी मार्ग के मामले में भी महत्वपूर्ण पहल होने की संभावना है। केंद्रीय परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा ने बताया कि देश के साथ पहाड़ों पर सुरक्षित सफर को प्राथमिकता दी जाएगी। जल्द ही वे एक

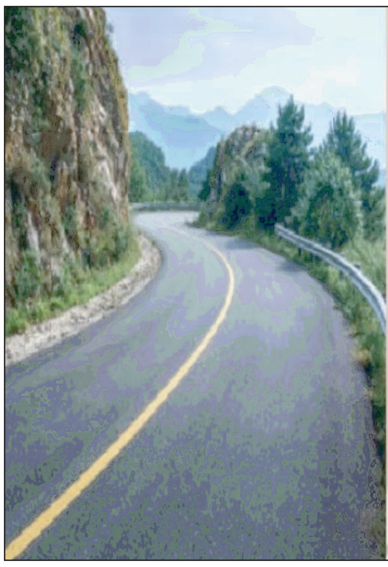

रोडमैप तैयार करने के लिए वरिष्ठ मंत्री के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा की पिछली सरकार में कैलाश मानसरोवर तक सड़क बनाई गई थी और अब इस बार भी हमने सड़कों के विस्तार को आगे अंतिम छोर तक ले जाने का संकल्प लिया है।

अजय टम्टा ने कहा कि देश में सड़क हादसा एक बड़ी समस्या है जिससे उत्तराखंड भी अछूता नहीं है। इस पर हमारी अंकुश लगाने के लिए ठोस प्लान बनाने की जिम्मेदारी होगी। पहाड़ और मैदान के लिए अलग-अलग खाका तैयार किया जाएगा क्योंकि दोनों ही स्थानों पर हादसों की अलग प्रवृत्ति है। पहाड़ों पर सड़कों के चौड़ीकरण के साथ ही भू-स्खलन के खतरों को नियंत्रित करने वाली सड़कें तैयार की जाएँगी। प्रदेश में आज भी दोनों मंडलों में कई ऐसे दुर्गम इलाके हैं जो सड़क मार्गों से जुड़ने से वंचित हैं, उन पर काम किया जाएगा। ऑलवेदर रोड यात्रियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बना है इसमें और सुधार कर यात्रियों को सुरक्षित सफर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। वे केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ मिलकर इस काम पर काम करेंगे। प्राथमिकता यह रहेगी कि केंद्रीय परिवहन मंत्री के निर्देशों के अनुसार लोगों को उत्कृष्ट सड़क सुविधा प्रदान की जाए। सड़कों पर दुर्घटना रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम किए जाएंगे, सड़क निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और प्रदेश में यातायात और अधिक सुगम हो सकेगा।

अजय टम्टा को केंद्र में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का राज्यमंत्री बनाए जाने से उत्तराखंड में सड़कों के चहुंमुखी विकास की उम्मीद जगी है। लोगों को लगने लगा है कि प्रदेश की खस्ताहाल सड़कों की स्थिति में अब सुधार होगा। इसके साथ ही दुर्गम इलाकों की सड़कों की स्थिति भी सुधरेगी और केंद्र में लटके एनएच के प्रस्तावों को भी मंजूरी मिलेगी। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में भुवन चंद्र खंडूड़ी को सड़क परिवहन मंत्रालय दिया गया था उन्होंने राज्य के लिए नए राष्ट्रीय राष्ट्रमार्ग स्वीकृत किए साथ ही उनके विकास के लिए बजट का प्रावधान भी कराया। इसी के परिणामस्वरूप चार धाम की सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया।

स्कूल पहुंचे कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर खाया खाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 14 जून : नैनीताल के समीपवर्ती क्षेत्र के एक इंटर कॉलेज में जब कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत अचानक पहुंचे तो अध्यापकों में हड़कंप मच गया। स्कूल की व्यवस्थाएं जांचने के बाद दीपक रावत ने बच्चों के साथ मध्याह्न भोजन किया। साथ ही बच्चों से बातचीत की। इसके अलावा विद्यालय की समस्याओं के विषय में भी जाना। बता दें कि, कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत के काम करने का तरीका अन्य अधिकारियों से हमेशा अलग रहा है। वह क्षेत्र में अव्यवस्थाएं व अनियमितताएं देखने के लिए बिना सूचना के कभी भी कहीं भी निरीक्षण के लिए पहुंच जाते हैं।

ऐसा ही उन्होंने बीते सप्ताह किया था। जब वह नैनीताल से घूमते हुए अचानक भूमियाधार क्षेत्र के एक इंटर कॉलेज में जा पहुंचे। मध्याह्न भोजन के समय दीपक रावत इंटर कॉलेज में पहुंचे तो वहां तैनात शिक्षकों में हड़कंप मच गया। उन्होंने बच्चों को मध्याह्न भोजन के लिए बैठे देखा तो वह भी बच्चों के साथ मध्याह्न भोजन के लिए बैठ गए। इस दौरान भोजन माता की ओर से उनको मध्याह्न भोजन परोसा गया।

भोजन करते हुए कुमाऊं कमिश्नर ने छात्रा-छात्राओं से वार्ता कर स्कूल की समस्याओं व मध्याह्न भोजन की जानकारी ली। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने उनसे जमकर बातें की। उन्होंने मध्याह्न भोजन की तारीफ करते हुए भोजन माता से बच्चों को ऐसा ही भोजन खिलाने की अपील की। वहीं उन्होंने एक कक्षा में पहुंचकर अध्यापकों के सामने ही बच्चों से सिलेबस से संबंधित कई सवाल पूछे। साथ ही अध्यापकों को बच्चों की पढ़ाई में ध्यान देने के भी निर्देश दिए इस दौरान उन्होंने स्कूल के अध्यापकों व अन्य स्टाफ से भी स्कूल की समस्या के विषय मे जाना। अध्यापकों की ओर से उनसे स्कूल में कक्षा के लिए एक भवन निर्माण की मांग की गई। जिस पर उनकी ओर से अधिकारियों से वार्ता कर भवन निर्माण का आश्वासन भी दिया गया।

बहुगुणा व जोशी आज टिहरी में

नई टिहरी। शुक्रवार (आज) को सूबे के कृषि और सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी भटवाड़ी नैनबाग पहुंचकर गौरजा मंदिर समिति नैनबाग के नव निर्मित बारातघर के लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करेंगे। जबकि 15 जून को नई टिहरी के सभागार में जनपद स्तरीय विभागीय समीक्षा भी करेंगे। शुक्रवार को पशुपालन और सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा बतौर मुख्य अतिथि पीजी कॉलेज नई टिहरी के छात्र संघ समारोह में प्रतिभाग करेंगे।

अधिकारियों को बताई पानी की समस्या

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम क्षेत्रांतर्गत डांग में पेयजल की समस्या को दूर किये जाने की मांग को लेकर स्थानीय लोग गुरुवार को जल संस्थान कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डांग क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुचारु किये जाने को लेकर टैंक बनाये जाने की मांग की। इस मौके पर भाजपा के जिला कार्यकारिणी सदस्य पंकज सती के नेतृत्व में लोगों ने जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन प्रेषित किया। इस दौरान पंकज सती, अरुण बहुगुणा, राजेश बहुगुणा, आशीष राणा, योगेश असवाल, दान सिंह कंडारी ने कहा कि 1990 की दशक में बने टैंक से ही पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। कहा कि क्षेत्र में आबादी बढने और पेयजल कनेक्शनों की संख्या बढ़ने से पेयजल आपूर्ति ठीक ढंग से नहीं हो पा रही है। कहा कि पहले के मुकाबले पानी की खपत अधिक हो रही है। जिसके कारण लोगों को पानी नहीं मिल रहा है और आये दिन पानी की किल्लत बढ़ती जा रही है। लोगों ने जल संस्थान के अधिशासी अभियन्ता से डांग में नए पानी के टैंक का निर्माण कर पेयजल समस्या का निराकरण करने की मांग की है। मौके पर दिनेश पटवाल, बीरेंद्र सिंह खत्री, कुली राम आर्य, विजय प्रसाद नौटियाल, उदय सिंह कण्डवाल सहित आदि मौजूद रहें।

मुफ्त में आधार कार्ड अपडेट करने का आज अंतिम मौका

रुड़की। आधार कार्ड में किसी तरह का संशोधन करना है तो माई आधार पोर्टल पर जाकर बदलाव करने का शुक्रवार को अंतिम मौका है। 14 जून के बाद संशोधन के लिए आधार केंद्र पर जाना होगा। साथ ही, 50 रुपये का चार्ज भी अदा करना पड़ेगा। आधार कार्ड आज के समय में हमारी पहचान और पते का सबसे महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज है। इसमें हमारे जनसांख्यिकीय विवरण के साथ ही बायोमैट्रिक डाटा भी दर्ज होता है। कई बार आधारकार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि या मोबाइल नंबर के प्रिंट में त्रुटि रह जाती है। आधार कार्ड का डाटा रखने वाली केंद्र सरकार की संस्था यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) ने अभी तक हमें खुद माई आधार पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन संशोधन करने की सुविधा दे रखी है।

आज तक नहीं सुधरे जोशीमठ आपदा प्रभावित लोगों के हालात : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 14 जून : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि जोशीमठ के आपदा प्रभावितों को राहत देने में नाकाम राज्य सरकार अब शहर का नाम बदल कर अपनी नाकामयाबियों को छुपाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया सच में तो सरकार जोशीमठ शहर से लोगों को उजाड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि जोशीमठ आपदा के 18 माह बाद भी आपदा प्रभावित लोगों के हालात नहीं बदले हैं । सीमांत चमोली के इस ऐतिहासिक-धार्मिक-सांस्कृतिक शहर को बचाने प्रभावितों के पुनर्वास और विस्थापन के लिए सरकार ने कोई काम नहीं किया है। यशपाल आर्य ने कहा कि समाप्तप्रायः 192 मकानों के मुआवजा तो दिया है लेकिन जिस जमीन पर वे मकान बने थे अभी तक उस जमीन के मुआवजे का रेट भी तय नहीं है। प्रशासन ने 1200 और घरों को रेड जोन में रखकर उन्हें विस्थापित करना है लेकिन उन्हें बसाने के लिए अभी तक भूमि भी नहीं खोजी गई है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब यह सिद्ध हो गया है कि एनटीपीसी परियोजना के कारण ही जोशीमठ शहर खतरे में आया था क्योंकि परियोजना के इस हिस्से में काम बंद होने के बाद जोशीमठ का भू-धंसाव लगभग रुक गया है। उन्होंने कहा कि , सरकार को एनटीपीसी के काम को पूरी तरह रोक देना चाहिए। यशपाल आर्य ने कहा कि , सरकार ने शहर के नीचे बन रहे हेलंग-मारवाड़ी बाईपास का काम भी बंद नहीं किया है। उन्होंने कहा कि शहर के बचाव के लिए अभी तक अलकनंदा नदी पर तटबंधों का काम शुरू नही हुआ है न ही पानी के ड्रेनेज और सीवर लाइन का काम शुरू हुआ है।

यशपाल आर्य ने कहा कि सरकार ने खतरे की जद में आये जोशीमठ में खतरे वाले इलाकों का सर्वे भी भेदभावपूर्ण किया है। उन्होंने कहा कि , ये कैसे संभव है कि सेना के इलाके को तो सर्वे में सुरक्षित बता दिया है और उनकी बाड़ से लगे डाड़ो गाँव सर्वे में असुरक्षित हो गया है। सर्वे में परियोजना से जुड़े सारे इलाके सुरक्षित बताए गए हैं और बगल की बस्तियों को असुरक्षित। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार के निर्णयों से ऐसा लगता है कि वह जोशीमठ शहर को पूरी तरह से उजाड़ कर परियोजनाओं और सेना के लिए आरक्षित करना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि , कत्यूरों के समय से ही इस ऐतिहासिक-धार्मिक-सांस्कृतिक शहर का नाम जोशीमठ था अब अमृतकाल में सरकार की कु-नीतियों से ये शहर उजड़ रहा है। ऐसे में नाम बदलने से शहर के लोगों और शहर का कोई भला होने वाला नहीं है।

उत्तराखंड : जोशीमठ में खतरे की सुगबुगाहट, फिर दिखे रहस्यमयी गड्ढे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 14 जून : आपदा प्रभावित जोशीमठ शहर के गांधी नगर वार्ड में बदरीनाथ हाईवे पर भू-धंसाव के कारण फिर से सात फीट गहरा गड्ढा उभर आया है, जिसे देख शहरवासियों को दोबारा से डर सताने लगा है। बताया जा रहा है कि इसी स्थान पर उत्तर रेलवे का आरक्षण केंद्र भी है।पिछले वर्ष हुई जोशीमठ की आपदा को शायद ही कोई भूल पाया होगा, उस वक्त पूरे देश में इसकी चर्चाएं जोरों पर थी जिसके बाद प्रशासन द्वारा भू धंसाव वाले इलाकों पर सर्वे करवाया गया और असुरक्षित भवनों का ढहाया गया। कई ऐसे भवनों को चिन्हित किया गया जिनपर अधिक दरारें पड़ी थी और लोगों को वहां से स्थानांतरित भी किया गया। क्षतिपूर्ति करने के लिए लोगों को मुआवजा भी दिया गया जिससे लोग बिलकुल भी संतुष्ट नहीं थे। लेकिन कुछ दिनों से यहाँ फिर से बदरीनाथ हाईवे पर भू-धंसाव शुरू होने लगा है, जिसके चलते यहाँ पर सात फ़ीट गहरा गड्ढा उभरने लगा है इसे देखकर लोग फिर से सहमे हुए हैं।

बीते वर्ष जनवरी 2023 से भू-धंसाव की मार झेल रहे जोशीमठ वासियों की चिंता कम नहीं हो रही है। उस समय शहर के 868 भवनों में दरारें आने के कारण 296 प्रभावित परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट करना पड़ा था। इसके अलावा यहाँ पर दो बड़े होटल भी ध्वस्त किए गए थे। अब एक बार फिर शहर के गांधी नगर वार्ड में बदरीनाथ हाईवे पर लगभग सात फीट गहरा गड्ढा बन गया है। इसी स्थान पर उत्तर रेलवे का आरक्षण केंद्र भी स्थित है। वहां से वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा रही है। वहीं बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) का कहना है कि ड्रेनेज सिस्टम की कमी के कारण शहर में इस तरह के गड्ढे पहले भी उभरते थे, गड्ढों को भरने का काम जारी है।

चारधाम यात्रा के चलते इलाके में काफी हलचल हो रही है, वहीं दूसरी तरफ इसी रास्ते से हेमकुंड और बद्रीनाथ धाम जाने वाले वाहन गुजरते हैं। स्थानीय लोगो ने बताया कि कुछ दिन पहले सड़क सुधार कार्य के दौरान भी हाईवे पर एक गड्ढा बन गया था, जिसे तुरंत ठीक कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि शहर में इस तरह बार-बार होने वाले भू-धंसाव से उनकी चिंताएं बढ़ रही है और वैसे भी गांधीनगर वार्ड भू-धंसाव के लिहाज से डेंजर जोन में आता है।

क्या होता है कमिटमेंट फोबिया कैसे करें इसका डर दूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जून : कमिटमेंट फोबिया ये शब्द दो अंग्रेजी शब्दों से मिलकर बना है. पहला कमिटमेंट यानी वचन, जिम्मेदारी या जवाबदेही भी कह सकते है. दूसरा शब्द है फोबिया मतलब डर. दोनों शब्दों को मिला दीजिए. अब आप इस कमिटमेंट फोबिया का सही मायना समझ पाएंगे इसका मतलब ये हुआ कि किसी चीज का वादा करने से लगने वाले डर को कमिटमेंट फोबिया कहा जाता है. आज के कई युवा इस प्रॉब्लम से जूझ रहे हैं. इसलिए ये हमारे लिए जानना जरूरी है इसका कारण क्या है और हम कैसे खुद को बचा सकते हैं।

जब कोई इंसान फैसला या जिम्मेदारी लेने से डरने लगे. किसी से कोई वादा करने से डरने लगे या वादा करने के बाद उसे पूरा करने से कतराने लगे तो उसे कमिटमेंट फोबिया ही कहेंगे. ये समस्या पहले से ही पश्चिमी देशों में आती रही है. अब इसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है. यही कारण है कि भारत में भी अब लिव-इन रिलेशनशिप बढ़ने लगा है. क्योंकि आज के युवा को शादी एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी लगने लगती है. जिम्मेदारी से भागना ही कमिटमेंट फोबिया होता है।

कमिटमेंट फोबिया को सिर्फ रिश्तों की जिम्मेदारी तक ही सीमित न रखिए. कोई इंसान नौकरी बदलना चाहता है लेकिन वो डर रहा है. किसी भी चैलेंज या समस्याओं से भी यदि कोई इंसान भाग रहा तो वो भी कमिटमेंट फोबिया से ही ग्रसित माना जाएगा. इसकी शुरुआत होती है आपके अंदर आत्मविश्वास की कमी के कारण. जब धीरे धीरे ये आत्मविश्वास की कमी इंसान पर भारी होने लगती है और खुद पर बिल्कुल भरोसा नही कर पाता है. बस वहीं से लोग इस बीमारी की जद में आने लगते हैं और इसका शिकार होने लगते हैं. इसी कारण इसको पहचानना बहुत जरूरी हो जाता है।

इससे पीड़ित लोग खुद पर भरोसा करने से डरने लगते हैं. वह किसी भी आम काम को भी बहुत बड़ा समझ कर उसकी जिम्मेदारी लेने से बचने लगते हैं. किसी भी रिश्ते में अपनी बात कहने से डरने लगते हैं. हालांकि कुछ ही मामलों में लोगों को स्ट्रेस या नींद ना आने की समस्या भी होने लगती है. लेकिन इसके लक्षणों को पहचानने के लिए ये देखना होगा कहीं कोई बार बार सवालों को टालने की कोशिश तो नहीं कर रहा. इसमें इंसान अपनी पूरी बात भी नहीं कह पाता है. बिना किसी वजह से झगड़ना शुरू कर देता है. इसके अलावा व्यक्ति से अगर कोई गलती भी हो जाती है तो वो दूसरे को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करने लगता है. ऐसे में सवाल उठता है इस समस्या का समाधान क्या है।

इस बीमारी का इलाज और दवाई व्यक्ति खुद ही है. एक्सपर्ट्स का मानना है इसे अपनी सोच बदलकर ही ठीक किया जा सकता हैं. इस दौरान खुद से बात करनी चाहिए और अंदर के आत्मविश्वास को जगाना चाहिए. किसी से बात करना अच्छा लगे तो उससे बात करके अपनी परेशानियों को बांट सकती हैं. कोई फैसला लेने से पहले आप सलाह ले सकते हैं, इससे स्वयं में निर्णय लेने की क्षमता बढ़ जाती है और धीरे धीरे लोग रिकवर करने लगते हैं. अगर इससे भी लाभ नहीं मिलता है तो किसी मनोचिकित्सक के पास जाकर काउंसिलिंग और साइकोथैरेपी के जरिये इस फोबिया से बाहर निकला जा सकता है।

डिप्रेशन की स्थिति में इस तरह से रखे अपना ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जून : डिप्रेशन यानी अवसाद की समस्या आज बेहद आम है। कई बार अवसाद हम पर कुछ इस तरह हावी हो जाता है कि मन में आत्महत्या तक के विचार घर कर जाते हैं। लेकिन अगर शुरुआत में ही डिप्रेशन के लक्षणों को पहचानकर आप इन्हें दूर करने का प्रयास करें तो बिना किसी डॉक्टरी उपचार के आप डिप्रेशन से छुटकारा पा सकते हैं।

सबसे पहले डिप्रेशन दूर करने के लिए आठ घंटे की नींद लें। नींद पूरी होगी तो दिमाग तरोताजा होगा और नकारात्मक भाव मन में कम आएंगे।प्रतिदिन सूरज की रोशनी में कुछ देर जरूर रहें। इससे अवसाद जल्दी हटेगा।बाहर टहलने जाएं। रोज बाहर टहलें, कभी-कभी कॉफी शॉप में कुछ समय बिताएं या बाहर खाना खाने जाएं। इससे मन में उत्साह बना रहेगा।अपने काम का पूरा हिसाब रखें। दिन भर में आप कितना काम करते हैं और किस गतिविधि को कितना समय देते हैं इस पर जरूर गौर करें। इससे आपको सभी गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने में आसानी होगी और तनाव कम होगा।ध्यान व योग को दिनचर्या में शामिल करें।

क्या आपको बहुत ज्यादा गुस्सा आता है? छोटी-छोटी बातों पर आपको गुस्सा आता है या फिर एक बार गुस्सा आ जाए तो खुद को शांत करना आपके बस में ही नहीं होता? अगर आप गुस्से पर नियंत्रण से संबंधित किसी भी समस्या से जूझ रहे हैं तो जरा इन उपायों पर गौर करें एक बार जब आपने अपने गुस्से पर थोड़ा नियंत्रण कर लिया तो शांत दिमाग से सोचें कि मुद्दा क्या था, गलती किसकी थी और अब आगे क्या करना है। इससे फायदा यह होगा कि आपको पूरे मामले में अपनी गलती भी समझ में आ जाएगी।

अब आप अपनी बात सामने वाले के आगे सौम्यता से रखें। अगर कहीं आपकी गलती है तो सबसे पहले माफी मांग लें जिससे आपको अपनी बात कहने में संकोच न हो। इस तरह किसी भी परिस्थिति में क्रोध पर नियंत्रण पाने के इस उपाय पर हमेशा अमल करने से धीरे-धीरे आपका गुस्सा खुद ही कम होने लगेगा।

डायबिटीज का खतरा बढ़ाती हैं आपकी रोज की ये आदतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जून : लगातार बिगड़ रही जीवनशैली का असर अब हमारे स्वास्थ्य पर भी दिखने लगा है। दुनियाभर में इन दिनों डायबिटीज की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। बीते कुछ समय से भारत में भी इसके मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता है और इसकी वजह से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है।

डायबिटीज एक लाइलाज बीमारी है, जो एक बार होने पर पूरे जीवन आपके साथ रहती है। हालांकि, कुछ दवाइयों और खानपान में बदलाव कर इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। डायबिटीज की वजह से व्यक्ति को अन्य कई स्वास्थ्य समस्याएं जैसे हृदय रोग, स्ट्रोक, किडनी रोग, अंधापन और नर्वस सिस्टम संबंधी समस्याएं आदि हो सकती हैं। ऐसे में इस बीमारी से बचने के लिए अपनी कुछ आदतों में सुधार करना बेहद जरूरी है। आज इन आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं, आपकी कुछ ऐसी ही आदतों के बारे में, जो डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकती है।प्रोसेस्ड फूड, आर्टिफिशियल शुगर वाले ड्रिंक और अनहेल्दी फैट वाले आहार का सेवन करने से मधुमेह विकसित होने का खतरा बढ़ सकता है। ये फूड आइटम्स आपके ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ा सकते हैं, जो आपकी कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपके शरीर के लिए इंसुलिन का उत्पादन या उपयोग करना कठिन बना सकते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी भी डायबिटीज का एक मुख्य कारण है। पर्याप्त एक्सरसाइज न करने से भी मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। व्यायाम आपके शरीर को इंसुलिन को अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में मदद करता है, जो आपके ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

उत्तराखंड : महंगी हुई पढ़ाई, ग्रेजुएशन और पोस्ट-ग्रेजुएशन के छात्रों को करनी होगी जेब ढीली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जून : प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों से ग्रेजुएशन और पोस्ट-ग्रेजुएशन कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रतिमाह लगभग 200 रुपये शुल्क अधिक देना होगा, साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर बढ़े अन्य शुल्क भी लिए जाएंगे ।प्रदेश में लगभग हर चीज महँगी होती जा रही है खाने से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा। आए दिन महंगाई कम होने की बजाय आसमान चढ़ रही है। इस बार राज्य सरकार ने महाविद्यालयों के वार्षिक शुल्क में इजाफा किया है।

शासन ने राजकीय महाविद्यालयों के लिए शैक्षणिक सत्र 2024-25 में शुल्क का एक नया ढांचा लागू कर दिया है। प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में पहले स्नातक स्तर पर लगभग 1650 रुपए वार्षिक शुल्क लिया जाता था जो अब स्नातक कक्षाओं में 1871 रुपये एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में 1878 रुपये वार्षिक शुल्क लिया जाएगा। सरकार के इस फैसले से राजकीय महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष लगभग 200 रुपये शुल्क अधिक देना होगा।

शासन द्वारा निर्धारित शुल्क में विश्वविद्यालय द्वारा लिया जाने वाला परीक्षा शुल्क शामिल नहीं है। यह शुक्ल विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार ऑनलाइन परीक्षा आवेदन भरते समय ऑनलाइन जमा किया जाएगा। नए शुल्क ढांचे के अनुसार 26 अलग-अलग चीजों के लिए शुल्क लिया जाएगा। इसमें प्रवेश शुल्क 3 रुपये, पुस्तकालय शुल्क स्नातक स्तर पर 3 रुपये और स्नातकोत्तर स्तर पर 10 रुपये, विकास शुल्क 20 रुपये निर्धारित किया गया है। महंगाई शुल्क के रूप में 240 रुपये और प्रयोगशाला शुल्क के रूप में भी 240 रुपये छात्र-छात्राओं से लिए जाएंगे ।सभी छात्र व छात्राओं को जल और बिजली शुल्क के रूप में 60 ₹ देना होगा। इसके अलावा वाचनालय शुल्क 50 ₹, विविध शुल्क 100 ₹, विभागीय परिषद शुल्क 50 ₹ लिया जाएगा।

परिचय पत्र के लिए 25 ₹, निर्धन छात्र सहायता शुल्क 10 ₹, रोवर रेंजर के लिए 30 ₹, छात्रसंघ के लिए 45 ₹ और महाविद्यालय दिवस के लिए 20 ₹ का भुगतान करना होगा। महाविद्यालय प्रांगण विकास के लिए 50 ₹, सांस्कृतिक परिषद के लिए 45 ₹, जेनरेटर शुल्क 50 ₹ और कंप्यूटर इंटरनेट शुल्क 80 ₹ भी छात्रों से लिए जायेंगे।

कैरियर काउंसलिंग के लिए 30 ₹, प्रयोगशाला सामग्री के लिए 60 ₹, प्रायोगिक मौखिक शुल्क प्रति विषय 50 ₹, प्रसाधन के लिए 50 ₹ और पीटीए के लिए 30 ₹ का भुगतान करना होगा। काशनमनी के रूप में 200 ₹ और नए शुल्क ढांचे में क्रीड़ा शुल्क 300 ₹ भी शामिल किए गए हैं। शासनादेश के अनुसार क्रीड़ा शुल्क का विश्वविद्यालय अंश, महासंघ शुल्क और विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद शुल्क विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाएगा और इसे परीक्षा शुल्क के साथ जमा किया जाएगा। शासकीय सहायता से संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का शुल्क के शुल्क का भुगतान भी अलग से करना होगा।

डॉक्टर नहीं ये भगवान है बच्ची के पिता ने कहा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जून : 7 वर्षीय बालिका रूद्रपुर निवासी है जिनके बचपन से दिल में छेद था . छेद बंद करने के लिए ऑपरेशन पहले किया गया था, जिससे बालिका ठीक उभर रहीं थी , पर माता पिता ने देखा की बच्ची को सास लेने में तकलीफ़ है , ज़्यादा ऐक्टिव नहीं है और चिड़चिड़ी भी होगयी है ! बच्ची को दुबारा दिखाने पर पता चला कि कम्पलीट हार्ट ब्लॉकेज है , और कई जगह डॉक्टर्स ने केस लेने से मना कर दिया ! तब बालिका को दून हॉस्पिटल के ह्रदय रोग विभाग लाए और जाँचो के बाद पेसमेकर सर्जरी द्वारा लगाना तय हुआ । जो की बहुत चुनौतीपूर्ण था।

पारंपरिक पेसमेकर बुजुर्ग patients में लगाया जाता है जिनकी एक्टिविटी भी कम होती है । और बालिका में ज़िंदगी के कई पढ़ाव आयेंगे जैसे किशोरावस्था , प्रेगनेंसी इत्यादि जिनके दौरान दिल की धड़कन तेज होती हैं । इतिहास में भी ऐसी सर्जरी का ज़िकर नहीं है ।

और यह सर्जरी डॉ अमर upadhyay कार्डियोलॉजिस्ट , डॉ विकास सिंह कार्डियेक सर्जन द्वारा दून अस्पताल में निःशुल्क की गई ।डॉ अमर ने बताया कि उन्होंने कंडक्शन सिस्टम पासिंग डिस्टल कंडक्शन सिस्टम इनगेज कर के की और डॉ विकास ने बताया कि मसल में पेसमेकर डिवाइस की पकड़ बनाने के लिए डीप पॉकेट बनाया गया ।

उड़नदस्तों एवं स्थैतिक टीमों को पूर्ण सजगता से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है

चमोली। विधानसभा उप चुनाव को निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने को लेकर निर्वाचन व्यय में तैनात विभिन्न टीमों उड़नदस्ता, स्थैतिक निगरानी दल, वीडियों निगरानी दल एवं मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति, शिकायत निवारण कक्ष के प्रभारी अधिकारियों, सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ ही उड़नदस्ता व स्थैतिक निगरानी टीम में तैनात पुलिस अधिकारियों को पीजी कालेज गोपेश्वर में प्रशिक्षण दिया गया।

नोडल व्यय अनुवीक्षण/सीटीओ मामूर जहां ने कार्मिकों को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान उड़नदस्तों एवं स्थैतिक टीमों को पूर्ण सजगता से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। उड़दस्ता टीम को लगातार निर्वाचन क्षेत्र में भ्रमण करते हुए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की सभी शिकायतो पर तत्काल कार्यवाही करनी है। सी-विजिल पर प्राप्त शिकायतों को समयान्तर्गत निस्तारण करना है। साथ ही अपनी दैनिक गतिविधि संबंधी रिपोर्ट बी8 एवं बी9 को नियमित जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रेषित करना है।

स्थैतिक निगरानी दल को अपने चैक पोस्ट से गुजरने वाले सभी वाहनों की गहनता से जांच करनी है एवं अवैध शराब, निर्वाचन में रिश्वत हेतु प्रयुक्त होने वाली उपहार सामग्री अथवा भारी मात्रा में नकदी की जांच कर वीडियोग्राफी करते हुए नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही सुनिश्चित करनी है वीडियो निगरानी दलों को अपने क्षेत्र में होने वाले समस्त जनसभाओं, रैलियों रोड शो, नुक्कड़ नाटक आदि की आडियो मोड में वीडियोग्राफी करनी है ताकि चुनाव खर्च का सही-सही आकलन किया जा सके।

आबकारी टीम को जनपद में मदिरा के भण्डारण एवं अवैध मदिरा की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करनी है, वहीं मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति को प्रत्याशियों के प्रचार विज्ञापनों को प्रमाणन करने के साथ ही पेड न्यूज आदि का अनुवीक्षण करना है।

जगदीशिला डोली का जखोली में किया गया स्वागत

रुद्रप्रयाग। भक्तों ने जखोली के मन्दिर में डोली का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर डोली रथयात्रा के संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि इस वर्ष डोली रथयात्रा का रजत जयंती वर्ष है। बिशोन पर्वत से शुरु हुई यह डोली यात्रा पूरे उत्तराखंड के 13 जनपदों के हजारों देवालयों का भ्रमण कर हजार धाम चिहिन्त कर देश और प्रदेश में सुख,शान्ति और समृद्धि की कामना करती है।

जखोली पहुंचने पर नागदेव मन्दिर के रावल,नागेन्द्र इंका बजीरा के पूर्व प्रधानाचार्य शिव सिंह रावत, रुद्रप्रयाग विधायक प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह भंडारी, नागेन्द्र देवता पट्टी लस्या के अध्यक्ष विजेंद्र मेवाड़, आचार्य विनोद थपलियाल, सुरेंद्र सकलानी, डॉ. गोपाल काला, सुनील सिंह नेगी, राकेश काला, बलवीर चौहान, महावीर नेगी, जसपाल चौहान, बीरेंद्र सिंह राणा सहित भक्तों ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर जखोली में प्रधानाचार्य शिव सिंह रावत ने डोली रथयात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि डोली रथयात्रा की पूर्व शिक्षामंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी के नेतृत्व में विगत 25 वर्षों से संचालित हो रही है। यह अपने आप में दैवीय शक्ति का रूप है। डोली रथयात्रा लस्या पट्टी के धान्यों गांव से गुरुवार को अपने मूल स्थान ग्यारह गांव हिंदाव के लिए प्रस्थान कर गई।

संक्षिप्त खबरें

दुकानदार को पीटने में चार लोगों पर मुकदमा

रुड़की। सीधड़ू गांव निवासी शहजाद की घर में परचून की दुकान है। आरोप है कि बुधवार शाम को गांव के रियासत, उसके बेटे आलम, अकरम और आलम की पत्नी सलमा ने दुकान में घुसकर शहजाद से मारपीट की। इसके बाद पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते हुए 4 को पकड़ा

पौड़ी। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले चार युवकों के खिलाफ बुधवार देर शाम को पुलिस ऐक्ट में कार्रवाई की गई। कोतवाली के एसएसआई संतोष पैंथवाल ने बताया कि मनोरजन पार्कों और स्थानीय लोगों के घूमने टहलने वाली सड़को पर अवैध रूप से मादक पदार्थों, शराब पीने वालों पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। बताया कि बुधवार देर शाम को टेका रोड और कंडोलिया क्षेत्र में सघन चेंकिग अभियान चलाया गया।

राजराजेश्वरी देवी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

पौड़ी। पाबौ ब्लाक के न्याय पंचायत निसणी के रतकोटी गांव में मां राजराजेश्वरी देवी मंदिर में तीन दिवसीय पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोचारण के साथ शुरू हो गई। गुरुवार को आराध्य मां ने मंदिर से बाहर आकर भक्तों को आशीर्वाद दिया। भक्तों ने मां राज राजेश्वरी को झूले में भी झूलाया। इस दौरान पुजारियों ने आराध्य देवी की विशेष पूजा-अर्चना कर श्रृंगार किया। इसके बाद देवी को भोग लगाया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ देवी की भोगमूर्ति को सभा मंडप में विराजमान किया गया। जहां पर अपने पश्वा पर अवतरित होकर मां राज राजेश्वरी ने नृत्य करते हुए अपने भक्तों को आशीर्वाद दिया।

अनुष्का आर्य का उत्तराखंड की अंडर-19 टीम के लिए चुनी गई

चमोली। रॉयल क्रिकेट क्लब आदिबदरी की अनुष्का आर्य का चयन उत्तराखंड की अंडर-19 क्रिकेट टीम के लिए हुआ है। वे 15 जून को देहरादून जाएंगी। जहां क्रिकेट एसोशिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से 16 जून से मैच शुरू होंगे। उन्होंने कहा कि यह रॉयल क्रिकेट क्लब आदिबद्री के कोच की कड़ी मेहनत का परिणाम है कि वह इस मुकाम पर पहुंची हैं। अनुष्का आर्य इससे पहले उत्तराखंड टीम में अंडर-15 में खेल चुकी हैं।

प्रदेश के सभी राजकीय अस्पतालों में एक ही पर्ची सिस्टम होगा लागू: धन सिंह

रुद्रप्रयाग। सीएमओ दफ्तर में हुई बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने वर्तमान में मिल रही चिकित्सा सुविधाओं के साथ ही डॉक्टरों और स्टाफ की तैनाती की जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। चिकित्सकों को आवासीय व्यवस्था को लेकर कोई परेशानी न हो इसके लिए सीएमओ और सभी डॉक्टरों को आवास उपलब्ध कराए जाने के लिए 10 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। सीएमओ को इसका प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों को परेशानी न हो इसके लिए प्रदेश में जल्द सभी सरकारी अस्पतालों में एक ही पर्ची सिस्टम लागू किया जाएगा।

यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने गुरुवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने बाबा केदार की पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की। बीकेटीसी ने बताया कि उप मुख्यमंत्री परिवार के साथ केदारनाथ धाम पहुंचे। बृजेश पाठक सुबह हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम पहुंचे। केदारनाथ मंदिर में पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए। जबकि इसके बाद उन्होंने तीर्थपुरोहितों से मुलाकात की। इस मौके पर बदरी-केदार मंदिर समिति ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया जबकि उन्हें केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया। दर्शन के बाद यूपी के उप मुख्यमंत्री वापस लौट गए।

केदारनाथ धाम में मनाया जाएगा अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस

रुद्रप्रयाग। जनपद में योग दिवस के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती ने आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग, होम्योपैथी सहित शिक्षा एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ बैठक की। योग दिवस के लिए प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। सीडीओ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक बेहद महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

उत्तराखंड : जोशीमठ नहीं अब ज्योतिर्मठ कहिए, कैंची धाम को भी तहसील का दर्जा

न्यूज वायरस नेटवर्क

चमोली 14 जून : प्रदेश की दो तहसीलों के नाम को बदला दिया गया है अब जोशीमठ तहसील का नाम बदलकर ज्योतिर्मठ और कोश्या कुटोली तहसील का नाम बदलकर कैंची धाम कर दिया गया है। भारत सरकार ने तहसील नाम परिवर्तन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यालय से जारी हुई जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने बड़े लंबे समय से उत्तराखंड सरकार के सामने नाम बदलने के मांग रखी थी, जिसके बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार भी इसपर लम्बे समय से विचार कर रहे थे, इसलिए बुधवार 12 जून को मुख्यमंत्री ने घोषणा की और बताया कि जोशीमठ का नाम बदलकर ज्योतिर्मठ रखने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था। जिसपर केंद्र सरकार ने अपनी मोहर लगाते हुए इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। साथ ही नैनीताल जनपद की कोश्याकुटोली तहसील का नाम बदलकर कैंचीधाम तहसील करने को भी मंजूरी मिली है, यह फैसला आने के बाद स्थानीय लोगों ने इसका स्वागत किया है।

उत्तराखंड के चमोली जनपद में स्थित जोशीमठ का एक विशेष धार्मिक महत्व है। यहाँ पर शंकराचार्य की तपस्थली है और इस क्षेत्र का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। मान्यता है कि 8वीं सदी में आदि गुरु शंकराचार्य यहाँ आए थे और उन्होंने अमर कल्पवृक्ष के नीचे तपस्या की, जिससे उन्हें दिव्य ज्ञान ज्योति की प्राप्ति हुई। दिव्य ज्ञान ज्योति और ज्योतेश्वर महादेव के कारण इस स्थान को ज्योतिर्मठ का नाम दिया गया, लेकिन समय बीतने के बाद यह जोशीमठ के नाम से ही प्रचलित हो गया। इसके बाद कई बार नाम बदलने की मांग उठी, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। लम्बे समय के बाद अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जोशीमठ तहसील को ज्योतिर्मठ नाम देने का निर्णय लिया है, इसे फैसले से लोग बहुत खुश हैं।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पहुंची परमार्थ निकेतन

स्वामी चिदानन्द सरस्वती के पावन सानिध्य में 34 दिवसीय श्री राम कथा में किया सहभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 14 जून : परमार्थ निकेतन में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया पहुंची। उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सानिन्ध्य में 34 दिवसीय श्रीराम कथा में सहभाग कर श्रीराम कथा का आनंद लिया।प्रसिद्ध कथा व्यास संत श्री मुरलीधर जी ने श्रीराम कथा में श्री हनुमान जी व सुरसा के प्रसंग का अद्भुत वर्णन किया।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि राजस्थान की धरती शूरता, वीरता, शूर-वीर, महाराणा प्रताप व मीरा बाई की धरती है। मीरा बाई को हम सभी उनकी भाव-भक्ति, प्रभु के प्रति आस्था व विश्वास के लिये जानते हैं परन्तु मीरा बाई महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने उस समय जब समाज में भेद-भाव, ऊँच-नीच चरम पर था उससे उपर उठकर समानता का संदेश दिया। मीरा बाई का जन्म राजघराने में हुआ था और उनका विवाह भी राजघराने में ही हुआ, उसके बाद भी वे प्रभु की भक्ति में लीन होकर संत-सन्यासियों के साथ मन्दिरों में बैठकर भजन गाती थी। भारत वर्ष में मीरा बाई समानता व महिला सशक्तिकरण का अद्भुत उदाहरण है। राजस्थान की धरती महाराणा प्रताप की भी धरती है जिन्होंने दिखा दिया की मातृभूमि ही सब कुछ है। उन्होंने अपनी मातृभूमि के सम्मान के लिये घास की रोटियां खायी और संदेश दिया कि मातृभूमि का सम्मान, गौरव व गरिमा में ही हमारा सम्मान निहित है। राजस्थान की धरती की माटी में कूट-कूट का शूरता-वीरता समाहित है।

स्वामी जी ने कहा कि प्रभु श्री राम का चरित्र भारतीय संस्कृति का सार है और भारतीय संस्कृति ही प्रभु श्री राम का चरित्र है। संस्कार व संस्कृति की सेवा करना ही जीवन की धन्यता है। स्वामी जी ने कहा कि गंगा जी के तटों को प्रदूषित करना भारतीय संस्कृति नहीं है। गंदगी व बंदगी साथ-साथ नहीं हो सकती। गंगा जी के तटों पर ज्ञान की गंगा, कथाओं की गंगा और संस्कृति की गंगा प्रवाहित होती रहे। स्वामी जी ने त्याग व समर्पण की महिमा बताते हुये कहा कि श्रीरामचरित मानस त्याग की ही संस्कृति है। भाई-भाई ने संपति का त्याग किया तो रामायण बन गयी और भाई-भाई में संपति की चाह हुई तो महाभारत बन गयी इसलिये हमें अपने दायित्वों को पूर्ण करते हुये आगे बढ़ना होगा।

हिमालय की हरित भेंट रुद्राक्ष का पौधा आशीर्वाद स्वरूप किया भेंट

वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मैं धन्य हूँ कि परमार्थ निकेतन में मुझे पुनः आने का अवसर प्राप्त हुआ। हमारे जीवन में आज जो कुछ भी है वह प्रभु की कृपा और पूज्य संतों के आशीर्वाद से ही है। इस 30 दिनों की कथा में अनेक लोगों को कथा के माध्यम से शान्ति प्राप्त हुई होगी। आप सभी कथा के संदेशों अपने साथ अपने घर लेकर जाये और उसके अनुसार जीवन जियें। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी व कथा व्यास संत मुरलीधर जी ने हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

डीएम खुराना ने बद्रीनाथ में यात्रा व्यवस्थाओं और पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरुवार को बद्रीनाथ पहुंच कर मास्टर प्लान के तहत संचालित पुनर्निर्माण कार्यो और यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। मास्टर प्लान के तहत संचालित रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कार्यो की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कार्यो में मानव संसाधन बढ़ाते हुए प्लानिंग के साथ निर्माण कार्यों में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। सिविक एमिनिटी सेंटर, अराइवल प्लाजा, टीआईसीसी, हास्पिटल एक्सटेंशन और तीर्थ पुरोहित आवास निर्माण कार्यो को भी तेजी से पूरा किया जाए। निर्माण कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और मानसून से पहले महायोजना के अधिकांश कार्य पूर्ण किए जाए। कहा कि जहां पर भी समस्या आ रही है, उसको तत्काल संज्ञान में लाया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने बद्रीनाथ में महायोजना के तहत चल रहे रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, सिविक एमिनिटी सेंटर, लेक फ्रंट, आस्था पथ, तीर्थ पुरोहित आवास, मंदिर सौन्दर्यीकरण आदि कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जहां पर काम पूरा हो गया है वहां पर ड्रेसिंग की जाए। निरीक्षण के दौरान पीआईयू के अधिशासी अभियंता ने संचालित कार्यो की प्रगति के संबंध में अवगत कराया। जिलाधिकारी ने यात्रा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता का ध्यान रखते हुए यात्रा व्यवस्थाओं को चाक चौंबद रखने के निर्देश दिए। ताकि श्रद्धालुओं को बद्रीनाथ धाम में सुगमता से दर्शन होते रहे। उन्होंने धाम में स्वच्छता एवं साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखने को कहा। इस दौरान उन्होंने धाम में वाटर एटीएम, क्यू मैनेजमेंट, दर्शन स्लॉट प्रबंधन के लिए लगाई गई एलईडी स्क्रीन आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम चन्द्र शेखर वशिष्ट, लोनिवि के अधीक्षण अभियंता राजेश चंद्रा, पीआईयू के अधिशासी अभियंता विपुल सैनी, सहायक अभियंता सनी पालीवाल, पर्यटन अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय, ईओ सुनील पुरोहित सहित कार्यदायी संस्थाओं के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विकास योजनाओं को लेकर की चर्चा

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की हिंदाव पट्टी के ग्राम प्रधानों की बैठक गुरुवार को राउमावि अंथवाल गांव में प्रधान रेखा देवी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने प्रधानों व ग्रामीणों को ब्लॉक की ओर से संचालित मनरेगा, राज्य एवं केंद्रीय वित्त सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए समीक्षा भी की। उन्होंने सभी पंचायतों में हो रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं समय का विशेष ध्यान दिए जाने की अपील की। बैठक में प्रधान महिपाल सिंह रावत, प्रदीप, अनिल चौधरी, सुरेखा देवी, रघुवीर सिंह घणाता, प्रतिमा देवी, सरपोली, नगीना देवी, जसपाल सिंह नेगी, रेखा देवी रावत, प्रबल सिंह कैंतुरा आदि मौजूद रहे।

ज्ञानसू-गंगलोगी सड़क के डामरीकरण की मांग

नई टिहरी। पूर्व प्रधान किशोर सिंह नेगी ने सीएम को पत्र प्रेषित कर ज्ञानसू-गंगलोगी-डोबरा मोटर मार्ग के डामरीकरण कर सुधारीकरण की मांग की है। गुरुवार को डीएम दीक्षित के माध्यम से सीएम धामी को नेगी ने ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें सीएम को अवगत कराया गया कि ज्ञानसू-गंगलोगी-डोबरा मोटर का निर्माण वर्ष 2012-13 में किया गया था। इस मार्ग से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. प्रेम सिंह नेगी का गांव सगवान गांव और डोबरा, खैंडी से गंगालोगी कोटेश्वर बांध परियोजना तक जुड़ गया है। ल

जीआरपी ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

रुड़की। चारधाम यात्रा को देखते हुए गुरुवार को जीआरपी ने डॉग स्क्वायड की टीम के साथ अभियान चलाकर प्लेटफॉर्म के ऊपर तथा टिकटघर, प्रतीक्षालय व ट्रेनों में सघन चेकिंग की। इस दौरान पुलिस ने हर संदिग्ध व्यक्ति और सामान की बारीकी से तलाशी भी ली। साथ ही मुसाफिरों, वेंडरों व कुलियों को जागरूक भी किया। कहा कि रेलवे के पंजीकृत वेंडरों के अलावा किसी से खाने पीने का सामान न लें। इससे वे जहरखुरानी गिरोह के शिकार हो सकते हैं। प्लेटफॉर्म पर या ट्रेन में कोई लावारिस या संदिग्ध सामान दिखने पर तत्काल पुलिस को बताएं। कहा कि इसकी सूचना रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 139 पर भी नोट कराई जा सकती है। पुलिस इस पर तत्काल कार्रवाई करेगी। पुलिस की टीम में एसओ संजय शर्मा, सिपाही मोहित कुमार, जयपाल सैनी के अलावा डॉग स्कवायड टीम के लोग भी शामिल थे।

बिजली कटौती से परेशान भगवानपुर के लोगों ने किया हंगामा

रुड़की। घाड़ क्षेत्र के सिकरोढा गांव के लोगों ने ऊर्जा निगम के दफ्तर पहुंचकर रात भर हुई बिजली कटौती को लेकर जमकर हंगामा किया। बाद में ऊर्जा निगम के अधिकारियों के आश्वासन पर वापस लौटे। गुरुवार को सिकरौड़ा गांव के लोगों ने ऊर्जा निगम के कार्यालय पहुंच कर बिजली कटौती को लेकर जमकर हंगामा किया। बताया कि क्षेत्र में बहुत अधिक बिजली कटौती की जा रही है, जिससे लोग काफी परेशान हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि सिकरौदा गांव क्षेत्र आम का बाहुल्य क्षेत्र है। जिसमें रात्रि के समय लोगों को आम के बाग में आना-जाना पड़ता है। वहीं सिकरोढा क्षेत्र में गुलदार की दहशत बनी रहती है। जिस वजह से विद्युत कटौती के चलते लोग आम के बाग में जाने से कतराते रहते हैं। जिससे आम की फसल पर प्रभावित होती है। वहीं अन्य फसलें भी विद्युत कटौती के चलते प्रभावित हो रही है। वहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रात्रि के समय ऊर्जा निगम के कुछ कर्मचारी छापेमारी करते हैं। जिससे लोगों को बड़ी परेशानी होती है। ग्रामीणों की सूचना पर भगवानपुर विधायक ममता राकेश ने भी ऊर्जा निगम के कार्यालय पहुंच ऊर्जा निगम के अधिकारियों से वार्ता की। कहा की बढ़ती गर्मी में बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। जिससे किसानों को कोई भी सुविधा का सामना करना पड़े। ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता अर्जुन प्रताप सिंह ने लोगों को आश्वासन दिया कि क्षेत्र में विद्युत कटौती नहीं होने दी जाएगी। जिन जगहों पर लाइन खराब है उनको भी दुरुस्त करने का काम किया जाएगा। इस मौके पर अजीम मिर्जा, राव जिकरिया, राव अब्दुल कादिर, राव फाजिल, सैयद मोनीश, राव रियान, राव कैप, शाहिन अहमद, मोहम्मद नईम, बिलाल मिर्जा, समीम, महताब, प्रदीप ,शाहबाज मलिक आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

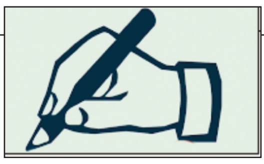

जम्मू में आतंकी हमले

कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में अचानक बढ़े आतंकी हमलों को मोदी सरकार के शपथ-ग्रहण से जोडऩा बेमानी है, लेकिन रियासी इलाके में तीर्थयात्रियों पर हमला किया गया, जिसमें 9 लोग मारे गए और कई घायल हुए। उसके बाद कठुआ और डोडा में आतंकी हमले किए गए। बेशक कठुआ वाले आतंकी ढेर कर दिए गए, लेकिन सीआरपीएफ का एक जवान भी 'शहीद' हुआ। डोडा में मंगलवार, 11 जून की रात्रि में असम राइफल्स और स्पेशल पुलिस ऑफिसर की साझा चौकी पर भी हमला किया गया, जिसमें 6 जवान घायल हो गए। जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन के मुताबिक, पाकिस्तान जम्मू के माहौल को बिगाड़ कर धार्मिक यात्राओं में बाधा डालना चाहता है। अगले महीनों में जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं, लिहाजा आतंकी घुसपैठ कर रहे हैं। पाकिस्तान की ओर जाने वाला कोई अनधिकृत रास्ता है, जिसका इस्तेमाल आतंकी कर रहे हैं और हमारे सैन्य बल की गिरफ्त से बचे हुए हैं। अब भी 3-4 आतंकी डोडा के पास, एक समूह में, घूम रहे हैं। उन्हें जल्द ही ढेर कर दिया जाएगा। अचानक आतंकी हमले बढऩे के मद्देनजर कुछ सवाल सटीक और गंभीर हैं। क्या पाकपरस्त आतंकवाद कश्मीर घाटी से जम्मू के राजौरी, पुंछ, डोडा आदि क्षेत्रों में शिफ्ट हो गया है? क्या वहां के घने जंगल आतंकियों की पनाहगाह हैं और वहां की पर्याप्त खुफिया सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं? क्या भारत में तीसरी बार मोदी सरकार बनने से पाकिस्तान, खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी गुट बौखलाहट में हैं? क्या पाकिस्तान को भारत की ओर से किसी मारक, प्रहारक हमले का डर, खौफ है? क्या मोदी सरकार आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूद करने के लिए भी कोई सैन्य हमला करवा सकती है? क्या लोकसभा चुनावों में 50 फीसदी से अधिक मतदान इसलिए किया गया, क्योंकि औसत कश्मीरी का लोकतंत्र में विश्वास है? क्या पर्यटन और कारोबार बढऩे से भी पाकपरस्त आतंकवादी नाराज हैं, लिहाजा बदले के तौर पर हमले कर रहे हैं? बहरहाल इन सवालों के जवाब खुद-ब-खुद सामने आते रहेंगे। यह ठोस हकीकत है कि बीते एक साल के दौरान राजौरी-पुंछ क्षेत्र में करीब एक दर्जन मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें 25 से अधिक आतंकी मारे गए, लेकिन सुरक्षा बलों के 20 से ज्यादा जवान भी 'शहीद' हुए हैं। शहादत का यह सिलसिला अभी जारी रहेगा, क्योंकि आतंकी गतिविधियों की जानकारी देने वाला मजबूत खुफिया नेटवर्क अभी तैयार किया जा रहा है। राजौरी-पुंछ में घुसपैठिया आतंकियों को 'स्थानीय मदद' है, जिसे चिह्नित कर लिया गया है। हालांकि जम्मू में कोई 'स्थानीय आतंकवादी' नहीं है। यहां पाकिस्तान से आए आतंकी ही हमले कर रहे हैं। कठुआ का उदाहरण है कि आतंकियों को स्थानीय लोगों ने पीने को पानी तक नहीं दिया और पुलिस को सूचना दे दी। नतीजतन आतंकी पकड़े और ढेर कर दिए गए। दरअसल अब आतंकी हमले उन इलाकों में हुए हैं, जहां कुछ साल पहले तक मान लिया गया था कि आतंकवाद का लगभग सफाया हो चुका है। यहां बीते 15-20 सालों के दौरान कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं किया गया था, लेकिन बीते कुछ अंतराल में आतंकवादी दिखने लगे थे।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पेट में गर्मी बढ़ने पर दिखते हैं ये लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जून : पेट में गर्मी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। यह आमतौर पर किसी स्वास्थ्य समस्या या जीवन शैली की खराब आदतों के कारण देखने को मिलती है। जब पेट में गर्मी बढ़ जाती है, तो इसकी वजह से व्यक्ति को काफी असजता का सामना करना पड़ता है। इसमें पेट में जलन और दर्द जैसी समस्याएं देखने मिलती हैं। हालांकि, इस तरह के लक्षण पेट से जुड़ी आम स्थितियों में भी दिखते हैं। इसलिए अक्सर लोगों को यह समझने में काफी समय लग जाता है, कि लक्षण किसी आम स्थिति के कारण हैं या पेट में गर्मी के बढ़ने के कारण। हालांकि, पेट में गर्मी बढ़ने पर जलन और दर्द के अलावा भी कई संकेत और लक्षण भी देखने मिलते हैं, जिनकी मदद से आप अपने पेट में गर्मी की स्थिति का पता लगा सकते हैं। इन लक्षणों और पेट में गर्मी के इलाज के बारे में जानने के लिए हमने नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के डॉ अभिषेक जैन से बात की। इस लेख हम हम आपको इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

पेट में गैस
जलन
ब्लोटिंग
मतली
भूख कम लगना
पेट में दर्द और ऐंठन
कुछ मामलों में दस्त की समस्या

अगर कोई व्यक्ति सामान्य से अधिक पेट से जुड़ी इन समस्याओं का सामना करता है, तो उन्हें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। क्योंकि अगर समय रहते अगर इसका उपचार नहीं किया जाता है, तो यह कई गंभीर समस्याओं जैसे आंत में छाले, सूजन आदि का भी कारण बन सकता है।

एसएसपी लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में वारंटियों की गिरफ्तारी का क्रम लगातार जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 14 जून : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही करने के साथ-साथ मा0 न्यायालय से प्राप्त गैर जमानती वारण्ट (N.B.W) की शत प्रतिशत तामील कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये हैं, जिसके क्रम में

1. कोतवाली श्रीनगर पुलिस टीम द्वारा माननीय न्यायालय द्वारा जारी वाद संख्या-274/2021, धारा-8/21 NDPS Act से सम्बन्धित वारण्टी देवेंद्र कुमार पुत्र मनोज कुमार निवासी सकुल्ड मोहल्ला अलकनंदा बिहार श्रीनगर गढ़वाल को अलकनंदा बिहार से गिरफ्तार किया गया।

2. थाना पैठाणी पुलिस टीम द्वारा माननीय न्यायलय द्वारा जारी वाद संख्या 08/2024, धारा 135 विद्युत अधिनियम से सम्बन्धित वारण्टी राजेंद्र सिंह उर्फ महिपाल पुत्र आलम सिंह, ग्राम बड़ेथ पो0 बड़ेथ, पट्टी ढाई जूली, तहसील चाकीसैंण, थाना पैठाणी जनपद पौड़ी गढ़वाल को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया गया।

20 से 26 जून तक बाधित रहेगी कई ट्रेनों की रफ्तार

रुड़की। लक्सर, रुड़की, हरिद्वार रूट की कई ट्रेनों की रफ्तार 20 से 26 जून तक बाधित रहेगी। इस एक हफ्ते में मुरादाबाद बरेली रेलखंड के दुगनपुर स्टेशन यार्ड में नॉन इंटरलॉकिंग के काम होगा। जिसके लिए रेलवे के निर्माण विभाग ने मुख्यालय से एक हफ्ते का ब्लॉक लिया है। ब्लॉक के दौरान कई ट्रेन बदले रास्ते से चलेंगी। साथ ही कुछ रिशेड्यूल व रेगुलेशन की वजह से 30 मिनट से 4 घंटे तक लेट भी होंगी।

रेल मुख्यालय से जारी आदेश के मुताबिक 19 व 23 जून में हावड़ा से देहरादून कुंभ एक्सप्रेस और 22 जून में अमृतसर से सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस का स्टॉपेज बरेली के बजाय बरेली कैंट स्टेशन पर होगा।

18 व 22 जून को डिब्रूगढ़, लालगढ़ अवध आसाम एक्सप्रेस तथा 19 व 23 जून में लालगढ़ से डिब्रूगढ़ अवध आसाम एक्सप्रेस का ठहराव भी रामपुर, बरेली के बजाय बरेली कैंट स्टेशन पर ही होगा। इनके अलावा दरभंगा से अमृतसर, जननायक एक्सप्रेस 19 व 23 जून को रास्ते में 30 मिनट रोककर और श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा से वाराणसी समर स्पेशल 23 जून को रास्ते में 2 घंटे रोककर आगे भेजी जाएगी। साथ ही ब्लॉक के दौरान कई ट्रेन रिशेड्यूल (समय बदलकर) संचालित की जाएंगी। इनमें श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा से गुआहाटी समर एक्सप्रेस 21 जून में कटरा से 4 घंटे लेट रवाना होगी। जबकि, दरभंगा से अमृतसर जननायक एक्सप्रेस 20 से 22 जून तक दरभंगा से 75 मिनट लेट, अमृतसर से सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस 22 व 23 जून को अमृतसर से 75 मिनट लेट और सहरसा से अमृतसर जनसाधारण एक्सप्रेस 21 जून को सहरसा से 75 मिनट की देरी से अपना सफर शुरू करेगी।

सीनियर डीसीएम मुरादाबाद आदित्य गुप्ता ने बताया कि एनआई कार्य के दौरान सुरक्षा के लिए ब्लॉक लेना जरूरी है। इससे प्रभावित ट्रेनो की जानकारी पहले से ही दे दी जाती है, जिससे कि मुसाफिरों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

सरकारी भूमि पर बारातघर बनाने की मांग

रुड़की। खाली पड़ी भूमि पर बरातघर बनाए जाने की मांग को लेकर नगर निगम वार्ड नंबर 40 के लोगों ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा है। रुड़की अपर उप जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में मतलबपुर क्षेत्रवासियों ने बताया कि क्षेत्र में एक भूमि खाली पड़ी है। जो कागजों में खाद डालने के गड्ढों के नाम दर्ज है। लेकिन उक्त भूमि पर कभी खाद नहीं डाली गई। क्षेत्रवासियों ने उक्त भूमि में एक बरात घर का निर्माण कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में चंद्रप्रकाश, लोकेश कुमार,रोहित, सोनू,सुरेश,फकीर चंद, बादल, प्रमोद, अभिषेक, महिपाल, विनय कुमार,मेनपाल, जातीराम, शिवम, सूरज,मुकुल, सतीश,राजेश,रवि कुमार आदि मौजूद रहे।

नशीला पदार्थ पिलाकर किया विधवा महिला से दुष्कर्म

रुड़की। विधवा महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर उसी के घर में उससे दुराचार किया गया। बाद में उसे शादी का झांसा देकर उससे लाखों रुपये ऐंठ लिए गए। जब पीड़िता ने आरोपी पर शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित महिला द्वारा कोर्ट में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया।

उत्तराखंड : महाराज ने वितरित की आपदा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 14 जून : विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के तहसील बीरोंखाल के अन्तर्गत ग्राम सुकई में गत माह आयी आपदा से प्रभावित परिवारों को क्षेत्रीय विधायक प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और उनके पुत्र भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयश रावत ने राहत सामग्री का वितरण किया।

विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल की तहसील बीरोंखाल के अन्तर्गत ग्राम सुकई में गत माह 22 मई को आयी आपदा से कई परिवार प्रभावित हुए थे। उस समय क्षेत्रीय विधायक और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने तुरंत एक्शन लेते हुए 24 घंटे से भी कम समय में पीडब्ल्यूडी एवं एनएच के मार्गों को खुलवा कर यातायात सुचारू करवाने के साथ-साथ मौके पर अपने पुत्र भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयश रावत को भेजकर प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया था। इतना ही नहीं उन्होंने सुकई के 30 प्रभावित परिवारों को मानक के अनुसार तात्कालिक मदद के तौर पर 2500 से लेकर 5000 रुपए तक की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाने के अलावा कुण्जोली में भगत सिंह जिनका मकान आपदा की चपेट में आ गया था को गृह अनुदान धनराशि के रूप में ग्यारह हजार पांच सौ एवं आनन्द सिंह को छह हजार रुपए की धनराशि भी दिलवाई। गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और उनके पुत्र भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयश रावत ने सुकई पहुंच कर प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री का वितरण कर विभागीय अधिकारियों को प्रभावितों को हर संभव मदद उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए।

महाराज ने बताया कि सुकई गांव की लघुडाल खंड द्वारा पंपिंग सिंचाई योजना के पाइप से गांव के ऊपर तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की मांग थी ताकि उस पानी का उपयोग पीने के लिए किया जा सके। इस योजना के मूल स्रोत पर नदी के किनारे विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विकासखंड स्तर से पुलिया निर्माण स्नानागार, पुस्ता, संपर्क मार्ग, चैकडैम और सीसी मार्ग सहित 15 योजनाओं के प्रकरण दैवीय आपदा से स्वीकृति हेतु गतिमान हैं।

राहत सामग्री वितरण के दौरान महाराज के साथ उनके पुत्र भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयश रावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष ओमपाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष संध्या देवी, सुकई के प्रधान संदीप सिंह नेगी, तहसीलदार आनंद पाल, विकासखंड अधिकारी जयपाल सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरा जायेगा : डॉ. धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जून : विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न संवर्गों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये हैं। समग्र शिक्षा के अंतर्गत आउटसोर्स के माध्यम से बीआरपी-सीआरपी, रिसोर्स पर्सन, लेखाकार कम सपोर्टिंग स्टाफ सहित चतुर्थ श्रेणी के कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये हैं। इसके अलावा कलस्टर स्कूलों के निर्माण कार्य समय पर पूरा करने को भी अधिकारियों को कहा गया है। मुख्यमंत्री के हाथों एससीईआरटी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण तथा 'हमारी विरासत' पुस्तक का विमोचन शीघ्र किया जाएगा, इसके लिये विभागीय अधिकारियों को सभी तैयारियां पूरी करने को कहा गया है।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज विद्यालयी शिक्षा निदेशालय स्थित समग्र शिक्षा सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा के तहत विभिन्न संवर्गों के रिक्त पदों की समीक्षा करते हुये अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये। डा. रावत ने कहा कि विभाग में लम्बे समय से रिक्त चल रहे पदों को शीघ्र भरा जाय ताकि विभागीय कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि समग्र शिक्षा के अंतर्गत बीआरपी-सीआरपी के 955 पद, रिसोर्स पर्सन आईईडी के 161 तथा लेखाकार कम सपोर्टिंग स्टॉफ के 326 पदों के लिये विभागीय स्तर पर भर्ती प्रक्रिया गतिमान है, शीघ्र ही इन पदों पर आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्तियां दी जायेगी। विभागीय मंत्री ने कहा कि प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिये अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया है।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत प्रथम चरण में बेसिक शिक्षकों के 2917 पदों पर जनपदवार विज्ञप्ति जारी कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत सहायक अध्यापक एलटी के 1544 पदों का अधियाचन उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भेजा जा चुका है, इन पदों के सापेक्ष शीघ्र ही आयोग से चयनित शिक्षकों की सूची उपलब्ध हो जायेगी, जबकि प्रवक्ता के 613 पदों का अधियाचन भी राज्य लोक सेवा आयोग को भेज दिया गया है। डा. रावत ने कहा कि राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी के लगभग 2500 पदों पर आउटसोर्स के माध्यम से की जा रही भर्ती प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को शीघ्र दूर कर दिया जायेगा। डा. रावत ने कहा कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री के हाथों एससीईआरटी के नव निर्मित भवन का लोकार्पण तथा नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के तहत एससीईआरटी द्वारा तैयार 'हमारी विरासत' पुस्तक का विमोचन किया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिये गये हैं।

बैठक में डॉ. रावत ने विद्या समीक्षा केन्द्र के कामकाज की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विद्यालयों, छात्रों एवं शिक्षकों से संबंधित सभी आंकड़ों को रियल टाइम आधार पर संकलित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विद्या समीक्षा केन्द्र के संचालन से शिक्षकों की सारी परेशानियों को दूर किया जा रहा है ताकि शिक्षक अपना पूरा फोकस शैक्षणिक गतिविधियों पर कर सकें। बैठक में विभागीय मंत्री डा. रावत ने कलस्टर विद्यालयों के निर्माण संबंधी प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कलस्टर विद्यालयों के निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ ठोस कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये।

बैठक में महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी, अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा रंजना राजगुरू, एम.एम. सेमवाल, निदेशक एससीईआरटी वंदना गर्ब्याल, निदेशक प्राथमिक शिक्षा आर.के. उनियाल, निदेशक माध्यमिक एम.एस. बिष्ट, अपर परियोजना निदेशक डा. मुकुल सती, स्टॉफ ऑफिसर शिक्षा बी.पी. मंदोली सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

केदारनाथ यात्रा को बेहतर बनाने के लिए सीएम से मिले भाजपा के पूर्व अध्यक्ष

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य और पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश उनियाल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्होंने ज्ञापन देते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। सीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि यात्रा को सुलभ तथा सुगम बनाया जाना चाहिए। रुद्रप्रयाग, तिलवाड़ा, गुप्तकाशी, फाटा, सेरसी, रामपुर और गौरीकुंड में 250 से 350 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग का निर्माण किया जाना जरूरी है। विभिन्न पड़ावों से सीमित संख्या में यात्रियों आगे भेजा जाए। जिससे सोनप्रयाग, गौरीकुंड और केदारनाथ में ज्यादा भीड़ से अव्यवस्था न हो।

गुरूवार को भी तीन स्थानों पर वनाग्नि का अलर्ट

नई टिहरी। वनाग्नि को लेकर डीएफओ नई टिहरी पुनीत तोमर का कहना है कि जनपद में अब तक हुई वनाग्नि की सभी घटनाओं को एक दिन के अंदर ही कंट्रोल किया गया है। कोई भी वनाग्नि एक दिन से ज्याद नहीं चली है। कहा कि तेजी गर्मी के चलते छिट-पुट वनाग्नि की घटनायें क्षेत्रों में हो रही हैं। जिन्हें अलर्ट के बाद मुस्तैदी से बुझाने का काम किया जा रहा है। बताया कि बुधवार को एक वनाग्नि की घटना भिलंगना और दो घटनाएं नई टिहरी के चापड़ा क्षेत्र में रही है।

मंत्री सौरभ बहुगुणा व गणेश जोशी आज टिहरी में

नई टिहरी। शुक्रवार (आज) को सूबे के कृषि और सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी भटवाड़ी नैनबाग पहुंचकर गौरजा मंदिर समिति नैनबाग के नव निर्मित बारातघर के लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करेंगे। जबकि 15 जून को नई टिहरी के सभागार में जनपद स्तरीय विभागीय समीक्षा भी करेंगे। शुक्रवार को पशुपालन और सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा बतौर मुख्य अतिथि पीजी कॉलेज नई टिहरी के छात्र संघ समारोह में प्रतिभाग करेंगे।

हाईड्रो इंजीनियरिंग के 12 छात्रों की प्रशासन के साथ इंटर्नशिप

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईएचईटी) बीपुरम नई टिहरी के 12 छात्रों के लिए इंटर्नशिप के लिए प्रोत्साहन राशि की स्वीकृति दी है। बता दें कि गत वर्ष दिसंबर माह में जिला प्रशासन और टीएचडीसी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) हुआ था। जिसमें संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा अपने प्रोजेक्ट के संबंध में जनपद के विभिन्न विभागों, प्रतिष्ठानों और क्षेत्रों में कार्य करने के लिए 45 दिनों की इंटर्नशिप कराई जाएगी। गुरुवार को डीएम मयूर ने चिह्नित 12 छात्र-छात्राओं को 45 दिन की इंटर्नशिप के लिए प्रोत्साहन धनराशि सीएसआर मद से देने की स्वीकृति प्रदान की। प्रत्येक छात्र को 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि इंटर्नशिप के लिए मिलेगी। उन्होंने प्रोजेक्ट से संबंधित विभागों के अधिकारियों को नोडल ऑफिसर भी नामित किया गया है। साथ ही संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार प्रधान को इंटर्नशिप के सफल संचालन के लिए नोडल फैकल्टी अपने कॉलेज में नामित कर संबंधित विभागीय अधिकारियों व नोडल अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नोडल अधिकारियों को नई परियोजनाओं और विचारों को डिज़ाइन करने को कहा है। डीएम ने कहा कि नवाचारी प्रयोग और छात्रों को नए आइडिया डेवलप करने ही उनका भविष्य उज्जवल बन सकता है।